मुहावरे

जब कोई शब्द-समूह या वाक्यांश सामान्य अर्थ न देकर विशेष अर्थ देने लगता है, तो उसे मुहावरा कहते हैं। जैसे - मुँह में पानी आना अर्थात् ललचाना।

मुहावरों की विशेषताएँ :-

1. मुहावरे वाक्यांश के रूप में प्रयोग होते हैं।
2. मुहावरों के लाक्षणिक अर्थ होते हैं।
3. मुहावरों के अर्थ प्रसंग के अनुसार होते हैं।
4. मुहावरों का मूल रूप नहीं बदलता। जैसे - "आँख का तारा" मुहावरे के स्थान पर "लोचन का तारा" नहीं होता।
5. हिंदी के अधिकतर मुहावरों का संबंध शरीर के अंगों से है।
6. मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करते समय मुहावरे का ही प्रयोग करना चाहिए, उसके अर्थ का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

अभ्यास

1. अंग अंग मुस्कुराना - बहुत प्रसन्न होना

   जब मुझे पता चला कि मैं कक्षा में प्रथम आई हूँ तो मेरा अंग अंग मुस्कुरा उठा।

2. अंधे की लकड़ी - एकमात्र सहारा

   सुरेश अपने माता-पिता का एकमात्र पुत्र है। वह उनके लिए अंधे की लकड़ी है।

3. अपना उल्लू सीधा करना - स्वार्थ सिद्ध करना

   राजनीति में सब अपना उल्लू सीधा करते हैं।

4. आँखें चुराना - अनदेखा करना

   सतीश को मुसीबत में देखकर उसके मित्र उससे आँखें चुराने लगे।

5. आँखों में खून उतर आना - बहुत क्रोध आना

   जब मैंने अपने मित्र को दूसरे लड़कों से पिटते देखा, मेरी आँखों में खून उतर आया।

6. आकाश के तारे तोड़ना - असंभव कार्य करना

   कक्षा में प्रथम आना मुकेश के लिए आकाश के तारे तोड़ने के समान है।

7. आग में घी डालना - क्रोध को बढ़ाना

   उसके पिता उससे पहले ही नाराज थे। बहन की शिकायत ने आग में घी का काम किया।

8. आस्तीन का साँप - धोखा देने वाला साथी

   राहुल दिनेश का मित्र बनता है, पर है आस्तीन का साँप।

9. ईंट से ईंट बजाना - पूरी तरह नष्ट करना

   भारत पाकिस्तान की ईंट से ईंट बजाने की क्षमता रखता है।

10. ईद का चाँद होना - बहुत कम दिखाई देना

    परीक्षा पास है, इसलिए रानी आजकल ईद का चाँद हो रही है।

11. इने-गिने - बहुत कम

    राकेश की शादी में इने-गिने लोग आए।

12. इशारों पर नचाना - वश में करना

    सुरेखा सुदेश को अपने इशारों पर नचाती है।

13. उंगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना - थोड़ा सहारा पाकर पूरा अधिकार कर लेना

    राम ने मोहन की नौकरी पाने में सहायता क्या की, वह तो उंगली पकड़कर पहुँचा पकड़ने लगा।

14. उल्टी गंगा बहाना - विपरीत कार्य करना

    जो काम सब करते हैं नरेश को काम कभी नहीं करता वह उल्टी गंगा बहाता है।

15. एक थैली के चट्टे बट्टे होना - सबका एक जैसा होना

शुभम और उसके सारे मित्र एक ही थैली के चट्टे बट्टे लगते हैं।

16. एड़ी चोटी का जोर लगाना - बहुत कोशिश करना

साहिल ने एड़ी चोटी का जोर लगाया, फिर भी उसका परीक्षा परिणाम अच्छा नहीं रहा।

17. कंचन बरसना - बहुत लाभ होना

किसानों की फसल इस बार बहुत अच्छी हुई है, उनके घर में इस बार कंचन बरस रहा है।

18. कंधे से कंधा मिलाना - मिलकर चलना

किसी भी बड़े कार्य की सफलता के लिए सबको कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए।

19. कलई खुलना - भेद खुलना

रमेश बहुत होशियार बनता है, पर जब काम दिखाने का समय आया तो उसकी सब कलई खुल गई।

20. किताब का कीड़ा - बहुत पढ़ने वाला

राहुल किताबी कीड़ा है, पर उसका परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा नहीं आता।

21. कोल्हू का बैल - लगातार काम करने वाला

शर्मा जी सारा दिन कोल्हू के बैल की तरह काम करते हैं, पर खर्च फिर भी पूरा नहीं पड़ता।

22. खिल्ली उड़ाना - हँसी उड़ाना

सौरव के छोटे कद की सब खिल्ली उड़ाते हैं।

23. ख्याली पुलाव पकाना - कोरी कल्पना करना

ख्याली पुलाव पकाने वाले लोग केवल बातें करते हैं, काम नहीं।

VASUNDHARAHINDI.COM

24. गले का हार - बहुत प्यारा

माता पिता के लिए बच्चे उनके गले का हार होते हैं।

25. गीदड़ भभकी - बेकार की धमकी

कायर लोग सिर्फ गीदड़ भभकी देते हैं।

26. गुस्सा पीना - क्रोध को रोकना

भरी कक्षा में अपमान होने पर भी राकेश गुस्सा पीकर रह गया।

27. घाट-घाट का पानी पीना - बहुत अनुभवी

राहुल को अनाड़ी न समझना, उसने घाट-घाट का पानी पिया है।

28. चार चाँद लगाना - शोभा बढ़ाना

राजी की शादी में जब फिल्म अभिनेता पहुँचे, तो उसकी शादी में चार चाँद लग गए।

29. चिकनी चुपड़ी बातें करना - झूठी तारीफ करना

कुछ लोग चिकनी चुपड़ी बातें करने में माहिर होते हैं।

30. छटी का दूध याद आना - बहुत कष्ट होना

पुलिस ने चोर को इतना मारा कि उसे छटी का दूध याद आ गया।

31. छूमंतर होना - गायब होना

पुलिस के आते ही भीड़ छूमंतर हो गई।

32. जूतियाँ चटकाना - बेकार में घूमना

अतुल के पास कोई नौकरी नहीं, वो जूतियाँ चटकाता फिरता है।

33. टोपी उछालना - अपमानित करना

दूसरों की टोपी उछालने वाले कभी सुखी नहीं रह सकते।

VASUNDHARAHINDI.COM

34. दाँत पीना - क्रोधित होना

बरसात में कार चालक जब बूढ़े व्यक्ति पर छींटे उड़ाकर गया, तो वह दाँत पीसकर रह गया।

35. दाल में काला होना - गड़बड़ होना

हरीश को बार-बार प्रिंसिपल बुला रहे थे, पर वह अपनी जगह से हिला भी नहीं। जरूर दाल में कुछ काला है।

36. धरती पर पाँव न पड़ना - अभिमान में आना

पुत्र की अच्छी नौकरी क्या लगी, पिता के पाँव धरती पर नहीं पड़ रहे।

37. नमक मिर्च लगाना - बढ़ा-चढ़ा कर बातें करना

नौकरानी ने कुछ ऐसे नमक मिर्च लगाकर बातें कही कि रानी की अपनी पड़ोसन से बोलचाल ही बंद हो गई।

38. नाम कमाना -सम्मान पाना

विज्ञापनों के द्वारा सामान्य वस्तुएँ भी रातो-रात नाम कमा लेती हैं।

39. नौ-दो ग्यारह होना - भाग जाना

पुलिस को देखते ही चोर नौ-दो ग्यारह हो गया।

40. पाला पड़ना - मुकाबला होना

कमल तभी सुधरा, जब पुलिस से उसका पाला पड़ा।

41. बाग-बाग होना - प्रसन्न होना

विराट कोहली ने जब सौ रन बनाए, स्टेडियम में बैठे लोग बाग-बाग हो गए।

42. भीगी बिल्ली होना - दब कर रहना

थानेदार साहब घर पर भीगी बिल्ली बन कर रहते हैं।

43. मुँह में पानी भर जाना - ललचाना

गुलाब जामुन देखते ही मेरे मुँह में पानी भर जाता है।

VASUNDHARAHINDI.COM

44. राई का पहाड़ बनाना - छोटी सी बात को बढ़ा-चढ़ा कर कहना

कक्षा में दो मित्र लड़े, मॉनीटर ने राई का पहाड़ बना कर अध्यापक को शिकायत की।

45. सिर आँखों पर बिठाना - बहुत आदर करना

जब भारत की क्रिकेट टीम अच्छा प्रदर्शन करके वापिस आई तो देशवासियों ने टीम को सिर आँखों पर बिठाया।

46. हाथ-पाँव फूल जाना - घबरा जाना

प्रश्न पत्र देखकर प्रभात के हाथ-पाँव फूल गए, क्योंकि प्रश्नपत्र बहुत मुश्किल था।

47. राह न सूझना - कुछ न सूझना

परीक्षा शुरू होने वाली है, रीता को कोई राह नहीं सूझ रही कि कहाँ से पढ़ाई शुरू करे।

48. सुराग न मिलना - पता न चलना

हरीश दो साल से लापता है, उसका कोई सुराग नहीं मिल रहा।

49. पन्ने रंगना - बेकार लिखना

सुनीता ने क्या लिखा है, कुछ नहीं समझ आ रहा है। उसने तो बस पन्ने रंग रखे हैं।

50. त्राहि-त्राहि करना - रक्षा के लिए पुकारना

राम ने तब जन्म लिया, जब रावण के अत्याचारों से पृथ्वी त्राहि-त्राहि कर रही थी।

*****

VASUNDHARAHINDI.COM